

पहली बार होगा राष्ट्रीय आदिवासी ओलिंपियाड, 31 अक्टूबर तक कर सकेगे आवेदन

रांची, एजेंसी। आदिवासी विगडम ट्रस्ट एंव टीम धुमकुड़िया के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय आदिवासी ओलिंपियाड का आयोजन 29 नवंबर को किया जायेगा। इसमें शामिल होने के लिए 31 अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकता है। आयोजकों के अनुसार झारखंड समेत कई राज्यों में प्रतियोगी केंद्र बनाये जा रहे हैं। ओलिंपियाड के मैटुर और साहित्यकार मनदेव टोप्पो ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों में अपनी भाषा, संस्कृति, इतिहास, रीति-रिवाज, खेल, साहित्य और सिनेमा जैसे विषयों के प्रति रुचि बढ़ाना है। उन्होंने कब कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी आदिवासी विरासत और ज्ञान परंपरा से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आयोजन के एगनीति विमुख अजय केरकेट्टा हैं। इसके अलावा डॉ विनीत कुमार भगत, फुलदेव भगत, ब्रजकिशोर बेदिया, विवेकानंद उरांव, नील निखिल तिवारी, सुनीता गुंडा समेत अन्य लोग आयोजन में सहयोग कर रहे हैं। आयोजन के अनुसार झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, असम और अंडमान-निकोबार समेत अन्य राज्यों में प्रतियोगी केंद्र बनाये जा रहे हैं। इसके अलावा-अलग राज्यों के विद्यार्थी भी ओलिंपियाड में शामिल हो सकेगें। ओलिंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, टैलेटॉप, एबलेंट और मैटैट प्रमाणपत्र दिये जायेंगे। आयोजन से जुड़े प्रमुख मैटरो में डॉ अमर राज कुमार मिश्र, डॉ मीनाथी गुंडा, डॉ देवेनद्र सेख, प्रो रामगढ़ उरांव, निरंजन कुमुर, डॉ सोनारप्रिया मिश्र, प्रो एलएम उरांव और सीआर हेब्रम समेत अन्य शामिल हैं।

जनता के द्वार पहुंचा रांची नगर निगम, घर के पास सफाई की समस्याएं सुलझेंगी

रांची, एजेंसी। राजधानी के बढ़ते दायरे और आबादी के दबाव को देखते हुए रांची नगर निगम ने नागरिक सेवाओं को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। स्थापना के 47 साल बौत जाने के बाद पहली बार निगम ने शहर के पांच अलग-अलग कोनों में नए अंगल कार्यालयों की सौगत दी है। नए अंगल कार्यालयों का संचालन बड़ा तालाब, पंडरा, बांधगाड़ी, सेक्टर-3 बास्केट-3 नगर एचईसी धुर्वा और तुपुदना में शुरू किया गया है। इन केंद्रों पर सफाई व्यवस्था, राश प्रकाश (स्ट्रीट लाइट), जलपूर्ति समेत रोजमर्रा की नागरिक सुविधाओं की मॉनिटरिंग और शिकायतों का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान होगा। उद्घाटन के अवसर पर महापौर रोहनी खलखी ने कहा कि अंगल कार्यालयों से जनता के समय, श्रम और आवागमन के खर्च की बचत होगी। उन महापौर नीरज कुमार ने इसे निगम के इतिहास का मील का पथर बताया हुए कहा कि यह केंद्र केवल दफ्तर नहीं, बल्कि स्थानीय सेवा केंद्र के रूप में काम करेंगे। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि स्थानीय स्तर पर अधिकारियों और कर्मियों की तैनाती होने से शिकायतों के निपटारे में तेजी आएगी। साथ ही, नागरिकों के फीडबैक के आधार पर भविष्य में और भी नए अंगल कार्यालय खोलने पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त संजय कुमार, उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार, वार्ड पार्षद और कार्यालक अभियंता मौजूद रहे।

जमशेदपुर ब्लड सेंटर कर्मियों की बल्ले-बल्ले, मिलेगा 18% बोनस, प्रबंधन-यूनियन में समझौता

जमशेदपुर, एजेंसी। दुर्गापूजा से पहले जमशेदपुर ब्लड सेंटर के कर्मचारियों के लिए सुखखबरी आयी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कर्मचारियों को बेसिक और डी का 18 प्रतिशत बोनस मिलेगा। शनिवार को जमशेदपुर ब्लड सेंटर प्रबंधन और हॉस्पिटल इंग्लांडर यूनियन के बीच बोनस समझौते (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किये गये। समझौते के तहत कर्मचारियों को अधिकतम 1,15,722 रुपये और न्यूनतम 80,603 रुपये बोनस के रूपा में मिलेंगे। बोनस की राशि सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में जेजी जायेगी। समझौते के अनुसार पे-रोल पर मौजूद सभी स्थायी और अस्थायी पूर्णकालिक कर्मचारी बोनस के पात्र होंगे। हालांकि, वित्तीय वर्ष के दौरान जिन कर्मचारियों की उपस्थिति 30 दिनों से कम रही है, उन्हें इस बोनस का लाभ नहीं मिलेगा। बोनस की राशि बेसिक और डीए के आधार पर तय की गयी है। दुर्गापूजा से पहले बोनस मिलने से कर्मचारियों में भी खुशी का माहौल है। बोनस समझौते के दस्तावेज पर प्रबंधन की ओर से चेयरपर्सन डॉ। विनिता सिंह, डिप्टी चेयरमैन डॉ। शरद कुमार, मानद कोषाध्यक्ष मुकेश जाटिया, संयुक्त मानद सचिव रवींद्र दुग्गल और एचआर प्रतिनिधि कपिल पांडेय ने हस्ताक्षर किये। वहीं, हॉस्पिटल इंग्लांडर यूनियन की ओर से अध्यक्ष बीके डिंडा, सचिव सुदीप दत्ता और उपाध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद ने समझौते पर हस्ताक्षर किया।

जिउतिया पर पसर मातम : गांधी घाट पर वीडियो बनाने के दौरान नदी में बही दूसरी बच्ची का शव बरामद

जमशेदपुर, एजेंसी। साकुरी थाना क्षेत्र स्थित सुरसिखा नदी के गांधी घाट पर शनिवार की शाम मोबाइल से वीडियो (वील) बनाने की हेंड में नदी के तेज बहाव में बही पुनम कुमारी उर्फ पूजा (13) का शव स्थानीय मोताखोर ने नदी से बाहर निकाला। मामला रविवार सुबह 9।30 बजे का है। एफडीओ अर्णव मिश्रा ने बच्ची की खोजबीन को लेकर स्थानीय मोताखोर की एक टीम को रविवार की सुबह मौके पर भेजा था। उसके बाद साकुरी, मानगो और सीतारागडेश थाना गमारी के मौजूदगी में मोताखोर नदी में उतरे और करीब 45 मिनट के प्रयास के बाद पुनम के शव को नदी से बाहर निकाला। वहीं, आसुषी उर्फ ज्योति का एमजीएम में इलाज जारी है।.....

रांची

केंद्र सरकार की उदासीनता से अटका है

झारखंड के पीडीएस दुकानदारों का कमीशन- मंत्री इरफान अंसारी

रांची, एजेंसी। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने एक बार फिर से केंद्र सरकार को घेरा है। राज्य के 25 सौ से ज्यादा जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलरों के बकाया कमीशन को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है।

मंत्री ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की उदासीनता का खामियाजा राज्य के पीडीएस डीलरों को उठाना पड़ रहा है। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य की सरकार पीडीएस डीलरों की समस्याओं के प्रति बेहद गंभीर है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि डीलरों के लंबित कमीशन के भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तथा 2025-26 के सात माह के बकाया कमीशन के भुगतान को लेकर विभाग लगातार प्रयासरत है और इस दिशा में जल्द सकारात्मक कार्रवाई होगी।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य के 25 हजार से अधिक पीडीएस डीलर खाद्य वितरण व्यवस्था की बेहद महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इन्हीं के माध्यम से राज्य के लाखों गरीब, जरूरतमंद और वंचित परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचता है। ऐसे में डीलरों के

कमीशन का समय पर भुगतान केवल वित्तीय विषय नहीं, बल्कि पूरी सार्वजनिक वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

उन्होंने कहा कि हमारे डीलर इस पूरे पीडीएस सिस्टम की महत्वपूर्ण कड़ी हैं,उनके भी परिवार हैं और उनकी भी जिम्मेदारियां हैं। इसलिए उनके कमीशन का समय पर भुगतान करना हमारी जिम्मेदारी है। सरकार इस मामले को लेकर पूरी तरह गंभीर और संवेदनशील है। विभागीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार की ओर से डीलर कमीशन के रूप में एक वर्ष की राशि राशिय सरकार को उपलब्ध कराई गई है। उपलब्ध राशि के आधार पर भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है तथा शेष बकाया राशि के भुगतान के लिए भी राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया गया है कि डीलरों के भुगतान में अनावश्यक विलंब न हो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी केंद्र सरकार से डीलरों के बकाया भुगतान को शीघ्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि मैं लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में हूं और इस विषय पर लगातार



वार्ता कर रहा हूं, विभागीय स्तर पर भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मेरा प्रयास है कि डीलरों को उनके बकाया कमीशन के लिए अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस वित्तीय वर्ष का कमीशन दिलाने का काम किया गया है और मैं भरोसा दिलाता हूं कि बाकी राशि के भुगतान के लिए भी पूरी मजबूती से प्रयास जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों को लेकर वह लगातार दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और उनका उद्देश्य खाद्य वितरण व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाना है। सरकार की योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही विभाग की प्राथमिकता है।

डीलर एसोसिएशन के कुछ बयानों पर

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, राकेश रंजन ने जगन्नाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति, धुर्वा की बैठक में भाग लिया

विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में दुर्गा पूजा के सफल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची।जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन आज धुर्वा स्थित मेफेयर बैंकेट हॉल राँची में जगन्नाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति, धुर्वा रांची द्वारा आयोजित बैठक में सम्मिलित हुए। इस बैठक में 35 दुर्गा समितियों ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में दुर्गा पूजा के सफल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री तथा वरीय पुलिस अधीक्षक

संक्षिप्त समाचार

पलामू के मजदूर की तमिलनाडु में हत्या, दोस्त ने ही ली जान



पलामू, एजेंसी। जिला में पाटन थाना क्षेत्र के सतउआ गांव के रहने वाले रामव्रत तामक मजदूर की तमिलनाडु के वीर भुनगर में हत्या कर दी गई। ये घटना 14 सितंबर की है लेकिन पूरे मामले का खुलासा शुक्रवार को हुआ है। पलामू पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए रामव्रत के दोस्त अखिलेश को गिरफ्तार कर लिया है। 11 सितंबर को चेन्नई जाने के लिए रामव्रत और अखिलेश घर से निकले थे। जहां पर दोनों मजदूरों का पहुंचना था वहां सिर्फ अखिलेश ही पहुंचा। 11 सितंबर के बाद से ही रामव्रत का मोबाइल बंद हो गया और परिजनों से संपर्क नहीं हो रहा था। परिजनों ने पूरे मामले में अनहोनी की आशंका जाहिर किया था और पलामू के पाटन थाना को सूचना दी। इसी क्रम में तमिलनाडु के वीर भुनगर में 14 सितंबर को रेलवे ट्रैक से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पूरे मामले में पलामू पुलिस की रेलवे पुलिस के साथ सहकार्य में थी इसी क्रम में शव को जानकारी हुई। रामव्रत के परिजनों ने शव की पहचान किया, इसके बाद पलामू पुलिस की एक टीम तमिलनाडु गई थी और थनिवार को शव के साथ वापस लौटी है। शव पहुंचने के साथ ही गांव में कोहसल मच गया था। बाद में शव के साथ ग्रामीणों ने पाटन थाना के गेट के सामने रोड जाम कर दिया था। पाटन थाना प्रभारी अनिल विद्यार्थी ने बताया कि दोनों एक साथ मजदूरी के लिए चेन्नई गए थे। ट्रेन में रामव्रत ने अखिलेश की हिस्टेदार को लेकर दिष्णगी की थी। इसके बाद दोनों के बीच मारपीट हुई और बाद में अखिलेश ने रामव्रत की हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए अखिलेश को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है और पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पलामू में जिउतिया विसर्जन के दौरान आहर में डूबने से बच्चे की मौत, मां के साथ विसर्जन के लिए गया था बालक

पलामू, एजेंसी। छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटिन गांव में जिउतिया विसर्जन के दौरान गांव के आहर में डूबने से एक 13 साल के बच्चे की मौत हो गई। मृत बच्चे की पहचान राकेश के रूप में हुई है। वह खाटिन गांव की ही रहने वाला था। राकेश अपनी मां के साथ विसर्जन के लिए गुरुहरिया आहर गया था। वहां गांव की अन्य महिलाएं भी मौजूद थीं। जिउतिया विसर्जन के बाद जब मां वापस लौटी तो उसे अहसास हुए कि उसका बेटा उसके साथ नहीं है। इसके बाद, गांव वालों समेत सभी लोग आहर पहुंचे। फिर बच्चे की खोजबीन शुरू हुई। काफी प्रयास के बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया और छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छतरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए मेडिनीनगर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेज दिया है। घटना की पुष्टि करते हुए छतरपुर थाना प्रभारी सौरभ चौबे ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, राकेश एक प्राइवेट स्कूल का छात्र था, जबकि उसके पिता खुद एक प्राइवेट स्कूल चलाते हैं। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है और परिवार गहरे सन्तपे में है। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। गौरवलाह है कि इससे पहले, करमा पूजा के दौरान पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र में कोयल नदी में करमा डाल का विजिनज करते समय पांच लड़के डूब गए थे। जिनमें पांचों की मौत हो गई थी।

50 वैगन बोल्डर भी नहीं रोक सके गंगा नदी का कटाव

साहिबगंज, एजेंसी। गंगा नदी के बड़े हुए जलस्तर और उससे हो रहे कटाव के कारण साहिबगंज में रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सफ्टीगली-महाराजपुर के बीच रेललाइन के किनारे कटाव की वजह से साहिबगंज-बरहड्वा रेलखंड के डाउन लाइन पर गुरुवार को तीसरे दिन भी ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। कटावरोधी कार्य गुरुवार को भी जारी रहा, लेकिन गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने की वजह से वह सफल नहीं हो पा रहा है। ऐसे में शुक्रवार को भी पैसेंजर ट्रेनों को रद्द तथा एक्सप्रेस ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है। रेलवे की मानें तो गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने से कटावरोधी कार्य में समस्या आ रही है। वहां पर गुरुवार को 45 फीट पानी गपा गया। जलस्तर अभी बढ़ रहा है। करीब सौ फीट में यह स्थिति है।मंगलवार और बुधवार को करीब 50 वैगन बोल्डर डाला गया था, जो नीचे चला गया है। ऐसे में रेलवे के समक्ष चुनौती कठिन है। रेलवे ने जहाज के माध्यम से वॉन बोल्डर गिराने की योजना बनायी है। इसके लिए जहाज संचालकों से संपर्क किया गया, लेकिन कोई भी संचालक अपना जहाज वॉन ले जाने को तैयार नहीं है। ऐसे में ट्रेनों का परिचालन शुरू होने में समय लग सकता है। सब कुछ ठीक ठाक रहा तब भी तीसरे से चार दिन उसे भगने में लगेगा। ऐसे में पांच अक्टूबर के बाद ही परिचालन शुरू होने की उम्मीद जतायी जा रही है।हालांकि, इस संबंध में रेलवे का कोई अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। उधर, स्थिति का जयजवा लेने के लिए डीआरजी शुक्रवार को वॉन पहुंचेगे। बताया गया कि गुरुवार को स्लीपों को लोहे की जाली में डालकर गढ़े में गिराया गया। इधर, शुक्रवार तक 56 पैसेंजर व आठ गैल-एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द था। तथा 29 ट्रेनों को डायवर्ट किया जा चुका है। ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस व आटो-टैटो चालकों द्वारा तमामना भाड़ा वसूला जा रहा है।

देश को मेडल दिलाने वाली झारखंड की हॉकी बेटियों के घर बुनियादी सुविधाओं का इंतजार

डालसा की पहल से खुली सिस्टम की पोल

रांची/खूंटी, एजेंसी। देश के लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैदान पर पदक जीतकर झारखंड और खूंटी का नाम रोशन करने वाली तीन महिला हॉकी खिलाड़ियों के घरों की तस्वीर बेहद चौंकाने वाली है। भारतीय हॉकी टीम को स्वर्ण और कांस्य पदक दिलाने वाली रौशनी आइंद, बिनिमा धान और नीलम टोपनो के परिवार आज भी वृद्धावस्था पेंशन, जाति प्रमाण-पत्र, बिजली, शौचालय, आवास और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार यानी डालसा की टीम जब इन खिलाड़ियों के घर पहुंची तो परिवारों की समस्याएं सामने आईं। डालसा ने न केवल परिवारों की स्थिति जानी, बल्कि समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय का भरोसा भी दिया।

अंतरराष्ट्रीय मैदान पर चमकीं, घर में सुविधाएं नहीं : खूंटी की रौशनी आइंद तोरपा प्रखंड के उयूर गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने चीन के मोकी में आयोजित जूनियर महिला एशिया कप 2026 में भारतीय टीम का हिस्सा रहते हुए चीन के खिलाफ फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण



पदक हासिल किया है। बिनिमा धान करां प्रखंड के जरियागढ़ स्थित बाभन टोली की रहने वाली हैं और वह भी इसी स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम का हिस्सा थीं। वहीं नीलम टोपनो तोरपा प्रखंड के सोंदारी गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने जापान में 29 मई से 6 जून तक आयोजित अंडर-18 एशिया कप में भारतीय टीम के साथ कांस्य पदक जीता।

पदक विजेता बेटियों के घरों में शौचालय तक नहीं : डालसा की टीम ने तीनों खिलाड़ियों के गांव पहुंचकर उनके

परिजनों से बातचीत की और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जानकारी ली। परिवारों ने वृद्धावस्था पेंशन, जाति प्रमाण-पत्र, बिजली कनेक्शन, शौचालय निर्माण, आवास निर्माण, पेयजल सुविधा और पीसीसी सड़क जैसी समस्याएं बताईं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ियों के परिवारों को अपने गांव में सामान्य जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी सरकारी व्यवस्था का इंतजार करना पड़ रहा है।

डालसा की दस्तक ने दिखाई

रांची के होटल में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस की नाइट रेड में खुली पोल

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में होटल और बार की आड़ में चल रहे कथित देह व्यापार के खिलाफ पुलिस ने शनिवार की देर रात बड़ा अभियान चलाया। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर कोतवाली और लालपुर इलाके में पुलिस की विशेष टीमों ने आधा दर्जन से अधिक होटल और बार में छापेमारी की। इसी दौरान कचहरी चौक के पास स्थित एक होटल में कथित देह व्यापार का खुलासा हुआ। पुलिस ने होटल के कमरों से आधा दर्जन से अधिक युवतियों को पकड़ा, जबकि कई युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

कमरा बुक कर चल रहा था पूरा खेल

पुलिस के अनुसार, होटल में कमरे बुक कर कथित तौर पर अनैतिक गतिविधियां संचालित किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने अचानक होटल में दबिश दी। टीम ने रिसेप्शन से लेकर कमरों तक की जांच की और होटल में ठहरे लोगों का रिकॉर्ड खंगाला। कार्रवाई के दौरान पुलिस को कई अहम साक्ष्य मिले हैं। पुलिस ने मौके से बरामद मोबाइल फोन और अन्य सामान को जांच के दायरे में लिया है। इनकी जांच के जरिए पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवतियों को होटल तक कौन पहुंचाता था, ग्राहकों से संपर्क किस माध्यम से होता था और पैसेंों का लेन-देन कैसे किया जाता था। पुलिस को इस पूरे मामले



में दलालों की भूमिका की भी आशंका है।

होटल प्रबंधन की भूमिका भी जांच के घेरे में

एसएसपी कोतवाली निखिल राय के अनुसार, फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। होटल के दस्तावेज, कमरों की बुकिंग और मोबाइल से मिलने वाली जानकारी के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस होटल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच कर रही है कि उसे कथित गतिविधियों की जानकारी थी या नहीं।

धनबाद के पीएमसीएच में खुलेगा शुभम की मौत का राज! परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

गिरिडीह, एजेंसी। पिछले 27 सितंबर से लापता मुफ्फसिल थाना इलाके के अजीडीह निवासी शुभम कुमार साव की लाश शनिवार को उसरी नदी में मिली थी। क्षत-विक्षत हो चुकी लाश को सदर एसडीपीओ जीतबाहन उरांव, थाना प्रभारी ज्ञान रंजन एवं विशेष अनुसंधान इकाई के मणिकांत समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में निकाल गया। शव निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।

जहां पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम बनी थी लेकिन शव की स्थिति देखने के बाद गिरिडीह सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम नहीं किया गया। देर रात शुभम के शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के पीएमसीएच भेज दिया गया।



पीएमसीएच में पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के प्राथमिक कारण की जानकारी मिल सकेगी। जबकि फॉरेंसिक लैब से जांच के



बाद विस्तृत जानकारी मिलेगी। इधर, एसपी डॉ बिमल कुमार द्वारा गठित विशेष जांच दल द्वारा तकनीकी और मानवीय आधार पर जांच

नदियों को स्वच्छ रखने की योजना! पलामू जिला प्रशासन तैयार कर रहा है रिपोर्ट

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले से होकर बहने वाली नदियों को साफ और स्वच्छ रखने की योजना पर अब तेजी से काम चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक पलामू जिला प्रशासन नदियों की मौजूदा स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है। यह रिपोर्ट राज्य सरकार के पास भेजी जाएगी और वहां से केंद्र सरकार तक पहुंचेगी। पलामू जिला प्रशासन ने गांधी जयंती के मौके पर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की है। मेदिनीनगर क्षेत्र में कोयल और अमानत नदी के संगम स्थल की सफाई की गई। साथ ही पौधारोपण भी किया गया। प्रशासन नदियों की हालत का विस्तृत अध्ययन कर रहा है और साल्लिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2024 की समीक्षा भी जारी है।

पलामू की नदियों में गिरने वाले गंदे पानी को साफ करने के लिए योजना बनाई गई है। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है। जिला प्रशासन ने नदियों को स्वच्छ रखने का रोडमैप तैयार किया है। इसकी लगातार समीक्षा हो रही है। अभियान और सर्वे के लिए अधिकारियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि नदियों को कैसे साफ रखा जाए और कचरे का कैसे ट्रीटमेंट किया जाए। नदियों में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की योजना भी तैयार की गई है।

खनिज सेस पर झारखंड सरकार का बड़ा दांव, एमएमडीआर संशोधन को दरकिनार कर वसूली जारी रखने की तैयारी क्या बोले वित्त मंत्री

रांची, एजेंसी। झारखंड में खनिजों पर सेस की वसूली जारी रखने का निर्णय लिया है, तो यह स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने फिर दोहराया कि इस संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है।वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर मममाने तरीके से कानून में बदलाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने राज्यों के खनिज अधिकारों पर सेस लगाने के अधिकार को मान्यता दी थी।

जुलाई 2024 में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के बहुमत ने भी राज्यों के खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने की शक्ति को मान्यता दी थी।मंत्री के मुताबिक, केंद्र सरकार ने इसके बाद एमएमडीआर कानून में संशोधन कर राज्यों की खनिजों पर सेस लगाने की शक्ति को सीमित करने का प्रयास किया है।

उनका कहना है कि संशोधन में ‘खनिज युक्त भूमि’ से जुड़े प्रावधानों को शामिल किया गया है, जबकि भूमि पर राज्य का अधिकार होता है।

जारी है। एसडीपीओ के साथ इंस्पेक्टर श्याम

महतो, रतन कुमार सिंह, कमलेश किशोर गुप्ता का कहना है कि उनका बेटा कृष्णा साव के श्री कृष्णा इंटरप्राइजेज में काम करता था। उनका कहना है कि उनके बेटा कई राज जानता था, इसलिए उनके बेटे की हत्या की गई।

कृष्णा का आरोपों से इंकार : दूसरी तरफ कृष्णा साव समेत तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। तीनों से एसपी की एसआईटी पूछताछ कर रही है। पूछताछ में कृष्णा ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से साफ इंकार किया है। उसका कहना है कि वह शुभम को बहुत मानता था और सहयोग भी करता था। उसका इस घटना से कोई वास्ता नहीं है।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप : शव मिलने के बाद मृतक के पिता किशोर प्रसाद गुप्ता के अलावा चाचा प्रवीण गुप्ता ने घटना को हत्या करार दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि शुभम को मारकर नदी में डाला

गया है। उनका कहना है पुलिस को निष्पक्ष होकर जांच करनी चाहिए। मृतक के पिता किशोर गुप्ता का कहना है कि उनका बेटा कृष्णा साव के श्री कृष्णा इंटरप्राइजेज में काम करता था। उनका कहना है कि उनके बेटा कई राज जानता था, इसलिए उनके बेटे की हत्या की गई।

स्कूल स्तर से प्रतिभाओं की तलाश : राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग ने कहा कि खेलो झारखंड के माध्यम से स्कूलों में मौजूद प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने पर झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी अपनी पहचान बना सकते हैं।

100 मीटर में इन खिलाड़ियों ने मारी बाजी : इस प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-17 100 मीटर दौड़ के बालिका वर्ग में पृथ्वी उरांव ने पहला स्थान हासिल किया। माही कुमारी दूसरे और दिव्या कुमारी गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं बालक वर्ग में अनित उरांव ने स्वर्ण स्थान हासिल किया। श्रवण सिंह दूसरे और आकाश कुमार तीसरे स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

हॉकी में सेमीफाइनल मुकाबले : हॉकी के अंडर-17 बालक वर्ग में खूंटी, गुमला, सिमडेगा और हजारीबाग की टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। बालिका वर्ग के मुकाबले भी प्रतियोगिता के पहले दिन जारी रहे। उद्घाटन समारोह में झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ। मधुकांत पाठक, झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष चन्द्रदेव सिंह, महासचिव शिव कुमार पाण्डेय, हॉकी झारखंड के महानिदेशक विजय शंकर सिंह समेत कई खेल पदाधिकारी और अन्य अतिथि मौजूद रहे।

रांची में 24 जिलों के 1700 खिलाड़ियों ने दिखाया जोश, खेलो झारखंड का रंगारंग आगाज

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्कूलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच देने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खेलो झारखंड 2026-27 का शनिवार को रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आगाज हुआ।

इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों से अंडर-17 आयुवर्ग के करीब 1700 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में एथलेटिक्स के लगभग 1100 और हॉकी के करीब 600 खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर खेल भावना का परिचय दिया।

खिलाड़ियों को दिलाई गई खेल शपथ : मार्च पास्ट का नेतृत्व कांके स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बैड टीम ने किया। राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके अनित उरांव ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलाई। राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ गुब्बारे उड़कर प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत की।

खेल के साथ पढ़ाई पर भी जोर : उद्घाटन समारोह में शशि रंजन ने खिलाड़ियों



को खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है, वहीं शिक्षा उनके भविष्य को मजबूत आधार देती है।

उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास,

अनुशासन और निरंतर मेहनत को सफलता की कुंजी बताते हुए पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण,

खेल सामग्री और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

खेल के साथ पढ़ाई पर भी जोर : उद्घाटन समारोह में शशि रंजन ने खिलाड़ियों को खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम

मधुबनी में बाबूबरही लूटकांड का 24 घंटे में खुलासा, तीन देसी कट्टों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार
मधुबनी, ऐजेंसी। मधुबनी में बढ़ते अपराध पर लगातार लगाने के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार सख्त नजर आ रहे है। जिले में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाा रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में बाबूबरही लूटकांड का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन देसी कट्टों के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लदनिया थाना क्षेत्र निवासी स्व। फौजी मंडल के पुत्र राजकुमार मंडल, संजय साप्पी के पुत्र कण्ण साप्पी, संजय राम के पुत्र विजय कुमार राम और दीपक सहारा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूट के 2 लाख 36 हजार रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन, तीन देसी कट्टे, 28 किलो गांजा और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।वरीय पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि जिले में किसी भी प्रकार के अपराध, अवैध हथियार, शराब और मादक पदार्थों के कारोबार को बंदरस्त नहीं किया जाएगा। आम लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करना और पीड़ितों को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कस कि जब तक वह मधुबनी में पदस्थपित रहेंगे, तब तक अपराधियों को खिलाफ सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। एसाएपी ने आम जनता से भी अपील की कि अपराध से जुड़े किसी भी सूचना को निर्भीक होकर पुलिस के साथ साझा करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

गोपालगंज में जितिया पर्व पर बड़ा हादसा, दाहा नदी में डूबने से दो किशोरों की मौत

गोपालगंज, ऐजेंसी। गोपालगंज के बरझट्टी गांव के पास शनिवार को जितिया पर्व के अवसर पर दाहा नदी में नहाने के दौरान डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बरझट्टी गांव निवासी प्रमोद साह के 13 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार और महेश साह के 12 वर्षीय पुत्र सागर कुमार के रूप में हुई है। त्योहार के दिन हवा इस वक़्त से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। वहीं, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जितिया पर्व के अवसर पर दोनों किशोर शनिवार सुबह गांव के पास बहने वाली दाहा नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान वे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और गहरे पानी में चले गए। दोनों को डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और परिजनों को घटना की सूचना दी। हदसे की सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते नदी किनारे पहुंचे। ग्रामीणों ने नदी में दोनों किशोरों की तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव पानी से बाहर निकले गए। बच्चों की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-टिकर बुरा हो गया। त्योहार की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। एक ही गांव के दो किशोरों की मौत से ह्र् कोई ग्रामीण नजर आया।घटना की सूचना मिलने पर मीरगंज थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मातमों में कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने गहरा पीछ व्यव्त किया। साथ ही, लोगों से अपील की कि त्योहारों और आम दिनों में नदियों व पेड़खरों में नहाने समय विशेष सावधानी बरते, ताकि इस तरह की दुःखद घटनाओं से बचा जा सके।

शेखपुरा में सीएसपी संचालक से डेढ़ लाख की लूट, बदमाशों ने की आधा दर्जन राउंड फायरिंग

शेखपुरा , ऐजेंसी। बिहार के शेखपुरा जिले से लूट की बड़ी वारदात सामने आई है। टाउन थाना क्षेत्र के पटना गांव में शनिवार शाम हथियारबंद बदमाशों ने सीएसपी सेंटर संचालक से हथियार के बल पर लूटपाट की। इस दौरान बदमाशों ने करीब आधा दर्जन राउंड गोलियां चलाई। हलांकि, गोली सीएसपी संचालक को नहीं लगी, लेकिन बदमाशों ने बंदूक के कुद्रे से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पीड़ित के अनुसार, बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपये से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।स्थानीय लोगों के मुताबिक, सीएसपी सेंटर संचालक ब्रजनंदन मालाकर शनिवार शाम करीब सात बजे सेंटर बंद कर बैग में रुपये लेकर घर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन हथियारबंद बदमाशों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया। बदमाशों ने गोलियां चलाते हुए उनसे रुपये से भरा बैग छीन लिया। इस दौरान संचालक पर बंदूक के कुद्रे से हमला भी किया गया।गोलीबारी की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश हथियार हल्लाते हुए बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल संचालक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।पीड़ित के बेटे ने बताया कि पिता से घटना की जानकारी मिलने के बाद वह बाइक से घर पहुंचा। उनके पिता ने करीब डेढ़ लाख रुपये कुद्रे जाने की बात बताई है। बदमाशों ने लूट के दौरान करीब आधा दर्जन राउंड गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में घबरात का माहौल है।स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि इस घटना के बाद से कारोबारियों में डर बना हुआ है। उनका कहना है कि इलाके में सुरक्षा के लिए सरकारी स्तर पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। इसके व्यापारियों को हमेशा असुरक्षा की चिंता सताती रहती है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, पटना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल घटनास्थल पर एफएपी समेत टाउन थाने की भारी सहाय्य ने पुलिस बल मौजूद है। पुलिस ने घटनास्थल से वार छोड़े और दो जिंदा कारगुरु बरामद किए हैं। टाउन थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

बिहार

लखीसरायमें पुलिस गश्ती वैन को ट्रक ने मारी टक्कर,

हादसे में बड़हिया थाना के एसआई समेत पांच पुलिसकर्मी घायल

लखीसराय , ऐजेंसी। लखीसराय जिले में नामजद अभियुक्त का पीछा कर रही बड़हिया थाना पुलिस की गश्ती वैन को शनिवार को टाउन थाना क्षेत्र के बालगुदर के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बड़हिया थाना के एसआई एके श्रीवास्तव, वाहन चालक ललन कुमार समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एसआई और चालक को बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित पीएमसीएच रेफर किया गया है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

अभियुक्त का पीछा करने के दौरान हादसा

जानकारी के अनुसार, लखीसराय जिले के बड़हिया थाना क्षेत्र की डुमरी पंचायत के लोहड़ा से जुड़े एक मामले में नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम शनिवार को छपेमारी करने निकली थी। पुलिस को देखकर अभियुक्त मोटरसाइकिल से भागने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसका पीछा शुरू कर दिया।

इसी दौरान पुलिस गश्ती वैन लखीसराय-बड़हिया सीमावर्ती क्षेत्र में टाउन थाना क्षेत्र के बालगुदर के समीप पहुंची। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी

फायरिंग से दहला नालंदा, घास काटने के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

नालंदा, ऐजेंसी।बिहार के नालंदा जिले का भटना बिगहा गांव गोलीबारी से दहला उठा। आपसी विवाद में हुई इस गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति के पेट में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए चंडी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर बिहार शरीफ रेफर कर दिया गया है।

दूसरे पक्ष के पांच लोग जख्मी : इस हिंसक झड़प में दूसरे पक्ष से 5 अन्य लोग भी जख्मी हो गए। घायलों में किशोरी गोप, धर्मेन्द्र कुमार, धर्मवीर यादव, मुकेश कुमार और रीता देवी शामिल हैं। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान स्वर्गीय हरशिव प्रसाद के 40 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र गोप के तौर पर की गई है। **घास काटने के दौरान हमला :** एक पक्ष की जख्मी महिला रीता देवी ने बताया कि वह घास काटने गई थी। इसी दौरान सुरेंद्र गोप का परिवार लाठी-डंडा लेकर आया और उन पर हमला बोल



दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई।

दूसरे पक्ष से घायल सुरेंद्र गोप के चाचा चौकीदार सिकंदर गोप ने बताया कि पड़ोस का मुकेश कुमार गांव में दर्बग प्रवृत्ति का व्यक्ति है। वह हर रोज गाली-मलौज करते रहता है। कई बार चंडी थाना को इस बात की जानकारी दी गई, बावजूद इसके थानाध्यक्ष ने कोई दोस कार्रवाई नहीं की।

रास्ते के पुराने विवाद को लेकर गोलीबारी : इस मामले में चंडी थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि घास काटने को लेकर दोनों के बीच मामूली विवाद हुआ था। पहले दोनों पक्षों के बीच रोड़ेबाजी हुई और फिर गोलीबारी शुरू हो गई। इसी में एक व्यक्ति को गोली लगी है, जिसे इलाज के लिए भेजा गया है।

बिहार: दुर्गा पूजा पर बिजली विभाग अलर्ट, 24 घंटे सप्लाई की तैयारी, नंगे तारों की जगह लगेंगे एबी केबल



सघन अभियान चलाकर कटाई-छंटाई की जा रही है। पूजा पंडालों के आसपास सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नंगे तारों की जगह कवर्ड वायर यानी एबी केबल लगाई जा रही है। इसके साथ ही वितरण ट्रांसफॉर्मरों की अर्थिंग को भी दुरुस्त किया जा रहा है। भीड़भाड़ वाले प्रमुख चौक-चौराहों पर बिजली पोलों की सुरक्षित और स्थिर रखने के लिए गाइड आंधी और बारिश के दौरान पेड़ों की टहनियां बिजली के तारों के संपर्क में आने से आपूर्ति बाधित हो जाती है। इसे देखते हुए बिजली पोल और हार्डट्रेंपन तारों के दायरे में आने वाली डालियों की

: बिहारशरीफ शहरी प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विकास कुमार ने बताया कि पूजा पंडालों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। आयोजकों से भी बिजली से जुड़े सभी सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। वहीं, ग्रामीण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रूपक कुमार ने पूजा समितियों को वायरिंग को लेकर विशेष सावधानी वायर लगाए जा रहे हैं। इससे पूजा के दौरान किसी तरह की दुर्घटना को आशंका को कम किया जा सकेगा।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर होगी कार्रवाई, समितियों को निर्देश

कम चार फीट की दूरी पर होना चाहिए।

सजावट के लिए केवल अच्छी गुणवत्ता वाले पीवीसी वायर का इस्तेमाल करने को कहा गया है। ओवरलोडिंग से बचने के लिए मेन बोर्ड पर लोड क्षमता के अनुसार एमसीबी लगाना भी अनिवार्य किया गया है।

पंडाल की रोशनी के लिए अस्थायी बिजली कनेक्शन जरूरी : दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों और आसपास की सड़कों को आकर्षक रोशनी से सजाने के लिए बिजली विभाग से अस्थायी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति के सीधे तार जोड़कर बिजली का इस्तेमाल करना कानूनी अपराध माना जाएगा। विभाग ने अलग-अलग लोड के हिसाब से तीन दिनों के अस्थायी कनेक्शन की दरें भी तय कर दी हैं। एक किलोवाट के कनेक्शन के लिए 2,049 रुपये, दो किलोवाट के लिए 2,990 रुपये और तीन किलोवाट के लिए 4,004 रुपये देने होंगे।

बक्सर और बिहार के व्यापारिक मुद्दे संसद में उठाने का मिलेगा मंच, समिति के सदस्य बने सुधाकर सिंह

बक्सर, ऐजेंसी।बक्सर के

राजद सांसद सुधाकर सिंह को संसद की वाणिज्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति का सदस्य बनाया गया है। नई जिम्मेदारी

मिलने के बाद राजद कार्यकर्ताओं और सांसद समर्थकों में खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने सांसद को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकााल की कामना की।संसदीय स्थायी समिति में वाणिज्य, व्यापार नीति, आयात-निर्यात, विदेश व्यापार, व्यापार समझौते, उद्योग और निवेश समेत कारोबार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाता है। समिति इन विषयों से संबंधित नीतियों और कार्यों के समीक्षा भी करती है।

सुधाकर सिंह के समिति में शामिल होने से बक्सर और बिहार को मुंगेर क्षेत्र स्थित आईटीसी डेयरी में खाद्य सुरक्षा टीम ने दूध और दुग्ध उत्पादों की जांच को। इस दौरान नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गए। प्रतिष्ठान को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया।

कहा कि वे किसानों, छोटे कारोबारियों, उद्यमियों और युवाओं से जुड़े विषयों को समिति के समक्ष रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नई जिम्मेदारी की जानकारी मिलने के बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से राजद कार्यकर्ताओं ने सांसद को शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि समिति के सदस्य के रूप में सुधाकर सिंह बक्सर और बिहार से जुड़े रोजगार, कृषि, व्यापार और उद्योग के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का प्रयास करेंगे।

सुधाकर सिंह ने कहा कि मिली जिम्मेदारी का पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। किसानों, व्यापारियों, युवाओं और उद्यमियों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ संसद के उचित मंच पर उठाने का प्रयास किया जाएगा।



कि पुलिस वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

एसआई समेत पांच पुलिसकर्मी घायल

हादसे में घायल पुलिसकर्मियों की पहचान एसआई एके श्रीवास्तव, वाहन चालक ललन कुमार, हवलदार राजेश कुमार, महिला सिपाही सीता कुमारी और सिपाही

एकता कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि अभियुक्त का पीछा करने के दौरान एसआई एके श्रीवास्तव स्वयं पुलिस वाहन चला रहे थे।

अस्पताल में कराया गया भर्ती

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सभी

बिहार के अनुपम का भारतीय बधिर एथलेटिक्स टीम में चयन, मलेशिया में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व



नहीं होता, खासतौर पर तब, जब खिलाड़ी मूक-बधिर हो और प्रशिक्षण से लेकर प्रतियोगिता तक हर स्तर पर अतिरिक्त सहारे की जरूरत पड़ती हो।

शुरुआत में आई सबसे बड़ी चुनौती :

अनुपम के प्रशिक्षण की शुरुआत नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी से हुई है। अनुपम की स्पीड और लगन को देखकर शुरुआती तकनीकी ट्रेनिंग दो गई। यहीं से उनकी तैयारी ‘शौक’ से निकलकर ‘प्रतियोगिता’ के स्तर पर आई। अकादमी से जुड़े लोगों के मुताबिक, शुरुआती दौर में अनुपम के लिए सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ दौड़ना नहीं था, बल्कि नियम, तकनीक और ट्रैक अनुशासन को उसी स्तर पर समझना था, जिस स्तर पर बाकी खिलाड़ी समझते हैं। धीरे-धीरे अभ्यास और सही गाइडेंस से उनकी रफ्तार के साथ-साथ रेस की समझ भी मजबूत हुई।

पटना में शिवा छप्पन भोग से लेकर मुंगेर की आईटीसी डेयरी तक जांच, कई खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए

पटना , ऐजेंसी। बिहार में आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से राज्यभर में सघन निरीक्षण और कार्रवाई की जा रही है। खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच के साथ खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त कुमार रवि के निर्देश पर 3 अक्टूबर को पटना, मुजफ्फरपुर, सहरसा, पूर्णिया, मुंगेर, लखीसराय, वैशाली, गया और अन्य क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वच्छता, लाइसेंस, भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की गई। पटना में शिवा छप्पन भोग का निरीक्षण पटना के फुलवारी शरीफ स्थित शिवा छप्पन भोग का खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठान में साफ-सफाई की व्यवस्था में कमियां पाई गईं।

कर्मचारियों के मेडिकल सर्टिफिकेट भी प्रस्तुत

नहीं किए गए। विभाग की टीम ने प्रतिष्ठान संचालक को साफ-सफाई में सुधार करने, कर्मचारियों की नियमित चिकित्सایی जांच कराने और अन्य कमियों को दूर करने का निर्देश दिया। इसके लिए 14 दिनों की समयसीमा निर्धारित की गई। निरीक्षण के दौरान पेड़ा, सादा खोवा, रसगुल्ला, लड्डू और सोन पापड़ी के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेजे गए।

मुजफ्फरपुर में दो प्रतिष्ठानों में मिलीं कमियां : मुजफ्फरपुर जिले में एम/एस आलोक एंटरप्राइजेज और एम/एस शुभम एंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया गया। दोनों प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कमियां पाई गईं। आलोक एंटरप्राइजेज को साफ-सफाई और लाइसेंस उचित स्थान पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्टॉक प्रबंधन में एफआईएफओ और एफईएफओ प्रणाली अपनाने तथा बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने को कहा गया। वहीं, शुभम एंटरप्राइजेज में साफ-सफाई, खुदरा



बिक्री, भंडारण, परिवहन, व्यक्तिगत स्वच्छता और रिकॉर्ड रखने से संबंधित कमियां पाई गईं। प्रतिष्ठान संचालक को इन कमियों को दूर करने का निर्देश दिया गया।

सहरसा में मिठाई दुकानों से पनीर और खोवा के नमूने लिए : सहरसा जिले के सोनवर्षा राज क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ। संजय चौधरी ने विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। शंभू चौक स्थित बनारसी साह मिष्ठान भंडार और छत्तौना बस स्टैंड के निरीक्षण के दौरान साफ-

सफाई और भंडारण की स्थिति संतोषजनक पाई गई। इस दौरान पनीर का नमूना संग्रहित किया गया। प्रतिष्ठान संचालक को साफ-सफाई बनाए रखने और कर्मचारियों को मास्क व टोपी पहनने का निर्देश दिया गया। वहीं, अनुपम मिष्ठान भंडार, सोनवर्षा राज में साफ-सफाई और भंडारण व्यवस्था में कमियां मिलीं। प्रतिष्ठान संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम, 2011 के अनुसूची-4 के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया गया। यहां से पनीर और खोवा के नमूने भी

संग्रहित किए गए।

पूर्णिया में बिना लाइसेंस चल रही दो दुकानें सील : पूर्णिया जिले के बनमनखी अनुमंडल क्षेत्र में रेस्टोरेंट, होटल, लस्सी कॉनर और मिठाई दुकानों सहित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान बिना वैध लाइसेंस के संचालित दो दुकानों को सील कर दिया गया। अभियान के दौरान विभिन्न मिठाई दुकानों से पनीर, घी, खोवा और मिठाइयों के नमूने संग्रहित किए गए। कार्रवाई में बनमनखी के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) और पूर्णिया के खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम शामिल रही।

मुंगेर में आईटीसी डेयरी से दूध और दुग्ध उत्पादों के नमूने लिए : 3 अक्टूबर को मुंगेर क्षेत्र स्थित आईटीसी डेयरी में खाद्य सुरक्षा टीम ने दूध और दुग्ध उत्पादों की जांच को। इस दौरान नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गए। प्रतिष्ठान को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया।

सड़क नहीं बनने से 15 हजार की आबादी झेल रही दर्द

बिशारतगंज , एजेंसी। अतरखेड़ी - झफ्फो मार्ग से नैनपुर गांव होकर बनखड़ी मंदिर होते हुए हरुनगला तक प्रस्तावित सड़क न बनने से 15 हजार की आबादी टिकट झेल रही है। गांव करपीया ब्रह्मनान निवासी ठाकुर मोहन सिंह, जय गोविंद ने बताया 21 मार्च 25 को पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड वन की ओर से सड़क निर्माण का टेंडर भी जारी किया गया। टेंडर होने के डेढ़ वर्ष बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं से सका। उनका कहना है कि अगर आगे भी यही हाल रख तो वे विस चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

रोलर स्पीड स्केटिंग में 300 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

आगरा , एजेंसी। जिला रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन 4 अक्टूबर को सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज, जगीरपुरा रोड में प्रथम आगरा जिला रोलर स्पीड स्केटिंग चैम्पियनशिप आयोजित करेगा। इसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों के 300 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चैम्पियनशिप में युवा खिलाड़ी अपनी गति, कौशल और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि नाराज ने बताया कि यह आयोजन बच्चों को प्रतिभा निखारने और राज्य, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर देगा।.....

भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो सपा ने संजयन निपाटी को बनाया प्रत्याशी

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिथक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा से बागी एमएलसी प्रत्याशी डॉ. संजयन निपाटी ने शनिवार को लखनऊ में समानवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा का दामन थाम लिया। उन्होंने पहले निर्दल नामांकन किया था लेकिन अब वह सपा के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगे। अखिलेश यादव ने उनके साथ आए समर्थकों का भी स्वागत किया। समानवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. संजयन निपाटी को समानवादी पार्टी में शामिल करने के बाद अखिलेश यादव ने डॉ. संजयन को कमलेश यादव की जगह गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिथक क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समानवादी पार्टी के पूर्व में घोषित कमलेश यादव की सहमति से आज शामिल होने वाले नेताओं को प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने कहा कि समानवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता नेता इस चुनाव को अपना चुनाव मानकर लड़ेंगे। डॉ. संजयन निपाटी के साथ समानवादी पार्टी के शिथक, स्नातक क्षेत्र के घोषित सभी प्रत्याशियों को पूरी मेहनत से जिताने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आज जिन लोगों ने त्याग किया है उनका क्रेोथा सम्मान होगा और जब समय आएगा तो उन्हें सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा। सपा की सदस्यता ग्रहणा करने के बाद डॉ. संजयन निपाटी ने कहा कि वह शिथक है। वह शिथकों की पीड़ा को बेहतर ढंग से समझते हैं। वह शिथकों के हित के लिए मैदान में उतरे हैं। अखिलेश यादव का बहदुर से आभार व्यक्त करते हैं। जो सपा के पहले प्रत्याशी थे कमलेश यादव उनका आभार जिन्होंने उन्हें अपना समर्थन दिया है।

तीन नदियां खतरे का निशान के पार, 71 गांव प्रभावित

गोरखपुर , एजेंसी। नेपाल से लेकर जिले तक बारिश धमने के बाद भी गोरखपुर में तीन नदियां अब भी खतरे के निशान से ऊपर रह रही हैं। इसकी वजह से जिले के 71 गांवों की 98 हजार आबादी प्रभावित हुई है। सरयू नदी बहरज में खतरे के निशान से 1.20 मीटर ऊपर बह रही है। राप्ती नदी बर्दाघ में खतरे के निशान से 37 सेमी ऊपर है। गोर्य नदी पिंड्रा घाट में खतरे के निशान से पांच सेमी ऊपर बह रही है। अन्य नदियां अब खतरे के निशान से नीचे आ गई हैं। हालांकि नदियों का जलस्तर अब नीचे आने लगा है लेकिन पानी उतरने की एपवात धीमी है। आपदा प्रबंधन कार्यालय के अनुसार बाढ़ से प्रभावित गांवों में गोला तहसील के 42 गांव शामिल हैं। खजनी तहसील के 14 गांव, सदर के आठ और बांसगांव के सात गांव भी बाढ़ की चपेट में हैं। प्रभावित गांवों में लोगों के लिए राहत किट बांटी गई है। साथ ही पशुओं के लिए भूआर एवं पशु आहार भी वितरित किया गया है। सदर तहसील में ग्रामीण विधायक विधिन सिंह ने 1100 परिवारों को राहत किट दीं। गोला तहसील में 500 खराब किट व बांसगांव में 130 राहत किट वितरित की गई। गोला तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों में 255.20 किंटल मूसा बांटा गया। छते पशुओं के लिए 450 पैकेट आहार दिए गए। बड़े पशुओं के लिए 490 पैकेट आहार वितरित किए गए। इसी प्रकार सदर तहसील के बहामनपुर उत्तरी व दक्षिणी में 5500 लॉच का पैकेट वितरित किया गया।

स्ट्रीट लाइट से कटिया डालकर चल रहा था पावर हब जिम

बरेली , एजेंसी। बारादरी थाना क्षेत्र अंतर्गत सूप्री टोला में संचालित पावर हब जिम के संचालक विहार एर बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। स्ट्रीट लाइट से कटिया डालकर जिम में स्वीकृत भार से दोगुना लोड चल रहा था। बिजली चोरी रोकने और हॉट लाइन लॉस कम करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत परवर्तन दल प्रथम के प्रभारी उपनिरीक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को पावर हब जिम की जांच की। जांच में साबने आया कि जिम पहिरे के बाहर लगी स्ट्रीट लाइट को लाइन से कटिया डालकर बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था। विद्युत निगम के रिर्कोर्ड के अनुसार, जिम के लिए पांच किलोवाट का कनेक्शन स्वीकृत है। लेकिन, मोके पर कुल स्रयोजित भार (कनेक्टेड लोड) 10 किलोवाट पाया गया। इसके अलावा चोरी की बिजली से दो कार्टीरो मशीनें, 11 पैंके, एक सबमर्सिबल पंप, जेनरेटर और एक इलेक्ट्रिक वेट मशीन समेत अन्य उपकरण संचालित होते मिले। इस संबंध में सीओ विजिलेंस शंकर राय ने बताया कि चौकीग के दौरान पावर हब जिम में स्ट्रीट लाइट से तार डालकर चोरी को जानकारी हुई।.....

उत्तर प्रदेश

30 लाख दर्शकों के लिए सुरक्षा योजना तैयार

सेक्टर और जोनवार पुलिस करेगी प्रबंधन, वयूआरटी भी रहेगी



टीमों को भी रणनीतिक स्थानों पर तैनात रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और चंदौली के जिलाधिकारी चंद्रमोहन गर्ग ने भी आयोजन को लेकर अपने सुझाव दिए। बताया गया कि एयर शो के दौरान सेना के विभिन्न प्रकार के विमान करीब 90 मिनट तक हवाई करतब दिखाएंगे। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की

नशीली दवा बेचने और कागजों पर चलतीं 28 दवा फर्मों के लाइसेंस रद्द

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में कोडीनयुक्त कफ सिरप जैसी नशीली दवाओं को बेचने वाली और सिर्फ कागजों पर संचालित हो रही 28 दवा फर्मों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। औषधि विभाग ने 3270 दवा फर्मों की जांच के बाद यह कार्रवाई की है। अगस्त 2025 में अग्रवाल ब्रदर्स के यहां मिले नशीले सिरप के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने दवा फर्म के सत्यापन और जांच के निर्देश दिए थे। विभाग की टीम बिरहाना रोड, कल्याणपुर, लालबांगला आदि जगहों पर अभियान चलाकर थोक दवा फर्मों का सत्यापन कर रही है। अभी तक की जांच में 16 फर्मों कागजों पर चलती मिलीं और 12 फर्मों के जरिये नशीली



दवाओं के कारोबार के साक्ष्य मिले हैं।

कई दवा फर्म सिर्फ कागजों तक सीमित : इन फर्मों में अग्रवाल ब्रदर्स, सिसोदिया, प्रेमा, माया फर्म, मेडिसिना, मसाइको, कुमार मेडिकल स्टोर, मां दुर्गा मेडिकोज, श्री बालाजी, आर एस हेल्थकेयर, ए एस हेल्थकेयर, एसजीपीएस सहित 28 दवा फर्म शामिल हैं। जांच में सामने आया कि

संभावना है।

पुलिस आयुक्त ने भीड़ के दबाव वाले संभावित स्थानों को पहले से चिह्नित कर विस्तृत भीड़ प्रबंधन योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि दर्शकों और वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए यातायात डायवर्जन की योजना पहले से तैयार कर ली जाए। चिह्नित पार्किंग स्थलों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए गए।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों से निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम से प्रमुख दर्शक स्थलों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने महिला, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने को कहा। प्रमुख दर्शक स्थलों पर सहायता डेस्क, आवश्यक संकेतक और लोगों की मदद के लिए टीमों की व्यवस्था की जाएगी।

काली सूची में डालकर छोड़ा; करोड़ों का ठेका लेने का आरोप

वाराणसी, एजेंसी। नगर पालिका परिषद मुबारकपुर में ठेकेदारी से जुड़े एक मामले में ठेकेदार पर फर्जी अभिलेखों के सहारे करोड़ों रुपये का ठेका लेने का आरोप लगा था। जांच पूरी होने के बाद सीआरओ के निर्देश पर ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगा दी गई और भारत कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर को काली सूची में डाल दिया। लेकिन, फर्जी प्रमाण पत्र लगाने वाले व्यक्ति पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई।

मुबारकपुर नपा परिषद में निवर्तमान पालिकाध्यक्ष डॉ. सबा शमीम के समय में मेसर्स भारत कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर फर्म को बड़े पैमाने पर करोड़ों रुपये के ठेके दिए गए। फर्म ने काम धड़धड़ काम कराए और उसका भुगतान भी होता रहा।

इसी बीच मुबारकपुर निवासी डॉ. अमिर फहीम ने फर्म के अभिलेखों के फर्जी होने की शिकायत सीआरओ और नगपालिका के प्रभारी से कर दी। उन्होंने इसमें लिखा था कि डीएम के फर्जी हस्ताक्षर से यह प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं। इस शिकायत पर जांच शुरू हो गई। जांच में पुष्टि हुई कि फर्म द्वारा फर्जी अभिलेखों के सहारे नगरपालिका से बड़े पैमाने पर करोड़ों रुपये के ठेके लिए गए। इस पर ईओ



नगरपालिका ने सीआरओ के निर्देश पर फर्म के सारे भुगतानों पर रोक लगा दिया।

साथ ही फर्म को पांच साल के लिए काली सूची में डाल दिया। लेकिन, उनकी ओर से डीएम के फर्जी हस्ताक्षर से तैयारी कर लगाए गए फर्जी प्रमाण पत्रों को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस पर धरवारा गांव निवासी अखिलेश सिंह ने शनिवार को अपर आयुक्त प्रशासन को शिकायती पत्र सौंपकर दोषियों के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचना की प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ पूर्व में किए गए भुगतान की रिकवरी कराए जाने की मांग की।

इस संबंध में हमारे पास शिकायत आई थी, यह मामला जिला स्तर का था तो मैंने सीआरओ को इस मामले में उचित कार्रवाई का निर्देश दिया है। - प्रमोद कुमार पांडेय, अपर आयुक्त प्रशासन।

योगासन प्रतियोगिता में 26 खिलाड़ियों का चयन, छह अक्टूबर को दिखाएंगे प्रतिभा

गोरखपुर , एजेंसी। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के योगा हॉल में शनिवार को 70वीं माध्यमिक विद्यालयी बालक-बालिका योगासन तहसील स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित हुई। महानगर तहसील से कम विद्यार्थियों के खिलाड़ियों के पहुंचने के कारण कई वर्गों में खिलाड़ियों को बिना मुकाबले के ही जनपदीय प्रतियोगिता के लिए कालीफाई कर दिया गया। अलग-अलग आयु वर्गों में कुल 26 खिलाड़ियों का चयन हुआ। अंडर-14 बालक वर्ग में एमपी इंटर कॉलेज के अश्वनी

चौरसिया, अनुपम शर्मा, अनमोल, आदर्श सिंह, आदर्श प्रजापति और एमजी इंटर कॉलेज के अनुराग चौरसिया चयनित हुए। बालिका वर्ग में एमजी की गोल्डी सिंह, अनुष्का पांडेय, अनामिका, एमपी की सोनाक्षी पांडेय और मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज की रिया और सोनम ने क्वालीफाई किया। अंडर-17 बालक वर्ग में एमजी के रामजी, अभिनव कुमार, सतीश, अवनीश कुमार, आदर्श मौर्य और लकी, जबकि बालिका वर्ग में एडी इंटर कॉलेज की सोम्या यादव और एमजी की अंशिका कुमारी चयनित हुईं।

छुट्टा पशुओं को बनाते थे निशाना, गोमती की धारा में 30 करोड़ बहे घर तक पहुंचाते थे बीफ

लखनऊ, एजेंसी। गोमती बीते कई दिनों से उफान पर है। फैजुल्लागंज समेत कई इलाकों में घरों की दहलीज तक पानी पहुंच चुका है। बढ़ते जलस्तर के बीच नदी का पानी गोमतीनगर में लामार्टिनियर कॉलेज के पीछे निर्माणाधीन फ्लाईओवर की करीब 30 करोड़ रुपये की निर्माण सामग्री बहा ले गया है। पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि काम करवा रहे अधिकारी और कर्मचारी स्टोर से कागज तक नहीं समेट सके। लामार्टिनियर कॉलेज के पीछे एलडीए जी-2 फ्लाईओवर का निर्माण करवा रहा है। कार्यदायी कंपनी एनसीसी के स्टोर मैनेजर मंतोष श्रीवास्तव ने बताया कि तीन दिन से गोमती का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था। इस बीच उम्मीद थी कि बारिश थमने से पानी भी उतरेगा। हालांकि, शुक्रवार दोपहर बाद अचानक पानी बढ़ा और स्टोर व अन्य अस्थायी कमरों में घुस गया। सामान निकालने तक का मौका नहीं मिल सका। इससे करीब 30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मंतोष श्रीवास्तव ने बताया कि करीब 10 करोड़ रुपये की शटरिंग, पांच हजार लीटर डीजल, 12 ऑक्सीजन सिलिंडर, ऑयल-लुब्रिकेंट के 20 ड्रम, राशन, गैस सिलिंडर, सरिया व अन्य सामग्री पानी के साथ बह गई। इसके अलावा पांच जेनेरेटर व एक डीजल ट्रैक्टर पानी में डूब गया। सेज क्रिकेट स्टेडियम के अंदर पहुंचा पानी गोमती का पानी सेज क्रिकेट स्टेडियम के



अंदर पहुंच गया है। शुक्रवार को मैदान लबालब रहा। इस कारण सेज क्रिकेट एकेडमी को फिलहाल बंद कर दिया गया है। मैदान पर पानी बहा होने से खिलाड़ी अभ्यास भी नहीं कर पाए। अगले कुछ दिनों तक यहां क्रिकेट के मुकाबले नहीं होंगे। स्टेडियम से पानी निकालने के लिए तीन पंपिंग सेट लगाए गए हैं। पानी कई दिन बहा रहा तो इससे मैदान के खराब होने की भी आशंका है। उधर, इकाना स्टेडियम प्रांगण के बाहर भी पानी पहुंच गया है। यह स्टेडियम के अंदर न पहुंचे इसके लिए नाले को मिट्टी डालकर बंद करा दिया गया है।

गोमती का पानी नाले के रास्ते एमार गोमती ग्रीस की ओर से बढ़ने लगा है। बहाव तेज होने से पानी नाले के पास सड़क पर पानी भर गया है। इससे एमार गोमती ग्रीस और आसपास की सोसाइटी में रहने वालों की चिंता बढ़ गई है। एमार गोमती ग्रीस रेजिडेंट्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन, नगर निगम,

बिजली निगम से गोमती के जलस्तर की निगरानी, सोसाइटी के बिजली उपकेंद्र की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और बचाव टीमों के नंबर उपलब्ध कराने की मांग की है।

=====

फैजुल्लागंज पहुंचे डीएम, बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत किट

लखनऊ, एजेंसी। गोमती का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की चपेट में आए फैजुल्लागंज में डीएम विशाख जी ने नाव से पहुंच कर राहत सामग्री वितरित की। साथ ही प्रभावित परिवारों से बात कर प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे राहत कार्य की जानकारी ली। डीएम ने पीड़ित परिवारों को ड्राई राशन किट का भी वितरण किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को स्थिति पर नजर रखने और राहत कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश दिए।



पहुंच रहे हैं। जून 2026 में जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद बैकलॉग डीएल के अंतिम अफ़्खल की व्यवस्था बदल दी गई थी। पहले डेटा फीडिंग के साथ अफ़्खल भी स्थानीय आरटीओ स्तर पर हो जाता था।

मुख्यालय से होगा अंतिम अप्रूवल : अब स्थानीय कार्यालय की भूमिका रिकॉर्ड फीड करने तक सीमित है और अंतिम मंजूरी मुख्यालय स्तर से होनी है। अगस्त से स्थानीय स्तर पर बैकलॉग डीएल का अफ़्खल बंद है।

कानपुर, एजेंसी। कानपुर आरटीओ में पुराने मैनुअल ड्राइविंग लाइसेंस को डिजिटल व ऑनलाइन रिकॉर्ड से जोड़ने की प्रक्रिया मुख्यालय स्तर पर अटकी अफ़्खल व्यवस्था के कारण ठप पड़ गई है। जून 2026 में जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत अफ़्खल का अधिकार स्थानीय आरटीओ से हटाकर लखनऊ मुख्यालय को दे दिया गया था।

केस एक- अगस्त से अटका है अप्रूवल : देवी सहाय नगर के रहने वाले दीपक कनौजिया ने अगस्त माह में ड्राइविंग लाइसेंस को ऑनलाइन करने के लिए प्रार्थना पत्र के साथ सभी जरूरी कागजातों को कार्यालय में जमा किया था लेकिन अभी तक मुख्यालय से अफ़्खल नहीं मिल सका है।

केस दो- नहीं बन पा रहा नया लाइसेंस : गोविन्द नगर निवासी रोहित खन्ना के लाइसेंस की सदस्य सीमा जून में समाप्त हो

गई थी। दोबारा बनवाने के लिए मैनुअल लाइसेंस को ऑनलाइन फीड कराने के लिए अगस्त माह में आवेदन किया था। अभी तक अफ़्खल न मिलने से नया लाइसेंस नहीं बन सका है। कानपुर में पुराने मैनुअल ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) को ऑनलाइन रिकॉर्ड और स्मार्ट कार्ड व्यवस्था से जोड़ने की परिवहन विभाग की प्रक्रिया वाहन लाइसेंसधारकों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। आरटीओ कार्यालय में पुराने लाइसेंसों का डेटा ऑनलाइन फीड किया जा रहा है, लेकिन अंतिम अफ़्खल का अधिकार मुख्यालय को दिए जाने के बाद करीब दो महीने से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।

अंतिम अफ़्खल की व्यवस्था बदल दी गई थी : अब तक 300 से ज्यादा लाइसेंसधारकों के रिकॉर्ड फीड होने के बावजूद मंजूरी नहीं मिली है। इसके चलते रोजाना 10 से 15 लोग समस्या लेकर आरटीओ कार्यालय

बैकलॉग डीएल का डेटा ऑनलाइन फीड किया जा चुका है। सिर्फ लाइसेंस के अफ़्खल की जरूरत है। डेटा फीडिंग के बाद भी अंतिम मंजूरी न मिलने से रिकॉर्ड ऑनलाइन व्यवस्था में लंबित दिखाई दे रहे हैं। आवेदक जानकारी और समाधान के लिए लगातार कार्यालय पहुंच रहे हैं।

व्यवस्था बदली, लेकिन बैकलॉग का रास्ता साफ नहीं : पुराने मैनुअल लाइसेंस को डिजिटल रिकॉर्ड से जोड़ने का उद्देश्य लाइसेंस की जानकारी को ऑनलाइन उपलब्ध कराना और सत्यापन को आसान बनाना है, लेकिन अफ़्खल की जिम्मेदारी स्थानीय कार्यालय से हटाकर मुख्यालय स्तर पर किए जाने के बाद बैकलॉग मामलों में अड़चन पैदा हो गई है। स्थानीय स्तर पर कर्मचारी रिकॉर्ड फीड कर रहे हैं, लेकिन अंतिम चरण पर पहुंचकर आवेदन अटक रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

झगड़े के बाद छत से कूदी ननद और दो महीने की गर्भवती भाभी, पुलिस की सूझबूझ से सबवी जान



नई दिल्ली। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस ने पीसीआर और दिल्ली फायर सर्विस के साथ मिलकर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं की जिंदगी बचाई है। दो अक्टूबर को कालिंदी कुंज थाने में पीसीआर कॉल मिली कि एक महिला ने खुद के कमरे में बंद कर लिया है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर खाना हुई और फायर व मेडिकल टीम से भी समन्वय कर घटनास्थल पर बुलाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पांच मिनट के भीतर खड्डा कॉलोनी, जैतपुर एक्सटेंशन पाट-दो के डी ब्लाक में पहुंची। तब तक एक महिला बालकनी से सड़क की ओर कूद चुकी थी। फायर टीम ने जब दरवाजा खोला तो पाया कि जो महिला अंदर भी उसने शाफ्ट में छलांग लगा चुकी थी। महिला दो महीने के गर्भ से थी, जिसे एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार के मुताबिक एसओ राकेश सिंह की अगुवाई में दिल्ली फायर सर्विस की टीम घटनास्थल पर पहुंचे। साफ्ट में कुदी 24 वर्षीय महिला मुश्किल जगह में फंसी थी। टीम ने उसकी जान को खतरा देखते हुए बचाव अभियान शुरू किया। फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। शुरुआती जांच के अनुसार भाभी ने ननद की वीडियो बनाकर किसी को भेजी थी, जिसे लेकर दोनों में झगड़ा हुआ। बहस के दौरान ननद बालकनी से सड़क की तरफ कूदी और घायल हो गई। इसके बाद भाभी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फिर घर के शाफ्ट में कूद गई। पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के साथ मिलकर तुरंत कार्रवाई की और फातिमा को शाफ्ट से सफलतापूर्वक बाहर निकाला। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई और पीसीआर व दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल की वजह से दोनों महिलाओं को सुरक्षित बचाया जा सका।

भारत में बढ़ी रोबोटिक सर्जरी की रफ्तार, एक साल में 30 से बढ़कर 50 हजार के पार पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में रोबोटिक सर्जरी का तेजी से बढ़ता उपयोग देश में मेडिकल टूरिज्म को नई रफ्तार दे रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में कम खर्च में अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी उपलब्ध होने से विदेशी मरीजों के लिए भारत उपचार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। देश में हर वर्ष 50 हजार से अधिक रोबोटिक सर्जरी हो रही हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या करीब 30 हजार थी। अगले वर्ष इसके एक लाख से अधिक पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए एशिया का पहला तीन दिवसीय सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी (एसआरएस)-2026 सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में हो रहा है। सम्मेलन में एसआरएस ने देश में प्रशिक्षित रोबोटिक सर्जन बढ़ाने के लिए रोबोटिक सर्जरी का प्रमाणित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी लांच किया है। सफदरजंग अस्पताल के यूरोलॉजी, रोबोटिक और रीनल ट्रान्सप्लांट विभाग के अध्यक्ष प्रो. डा. अनूप कुमार के अनुसार रोबोटिक सर्जरी से सर्जरी में अधिक सटीकता आती है। छोटे चीरे के साथ जटिल अंगों तक बेहतर पहुंच और बारीक काम करने की क्षमता मिलती है। इसका फायदा विशेष रूप से रीढ़, मस्तिष्क, हृदय, कैंसर, प्रोस्टेट जैसी जटिल सर्जरी में मिल रहा है। रोबोटिक तकनीक के विस्तार से अत्याधुनिक उपचार को बढ़ावा मिल रहा है। रोबोटिक सर्जरी से आपरेशन के दौरान रक्तस्राव भी कम होता है, इससे जटिल सर्जरी में पहले की तुलना में रक्त की आवश्यकता काफी कम हो गई है। मध्य-पूर्व के देशों के साथ पूर्व सोवियत संघ के उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अजरबैजान और आर्मेनिया जैसे देशों से भी मरीज रोबोटिक सर्जरी के लिए भारत पहुंच रहे हैं। इसके अलावा यूरोप और अमेरिका से भी मरीज आ रहे हैं। एसआरएस इंडिया-2026 के आयोजन अध्यक्ष रोबोटिक सर्जरी विभाग मैक्स अस्पताल के निदेशक डॉ. विवेक बिंदल ने शनिवार को बताया कि देश में रोबोटिक सर्जरी के प्रशिक्षित सर्जनों की संख्या कम है।

ईरान पर अमेरिका की आर्थिक नाकेबंदी: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन बोले- नई व्यवस्था अपनाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को कहा कि तेहरान ने मौजूदा विशेष परिस्थितियों से निपटने के लिए 'नई व्यवस्था अपनाई है'। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है, जब अमेरिका ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है। अमेरिका ईरान के वित्तीय और कारोबारी नेटवर्क को निशाना बनाते हुए प्रतिबंध भी बढ़ा रहा है। पेजेशकियन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अमेरिका समेत अपने विरोधियों पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे ईरान की अर्थव्यवस्था की जरूरी कड़ियों को काटना चाहते हैं। इसका मकसद ईरान के लोगों पर दबाव डालना है। उन्होंने कहा कि बढ़ते दबाव के बावजूद जनता के समर्थन और सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की वजह से इन कोशिशों को कामयाब नहीं होने दिया गया।

पेजेशकियन ने अपनी पोस्ट में कहा, सरकार ने इन विशेष परिस्थितियों से निपटने के लिए एक नई व्यवस्था अपनाई है। पिछले कुछ महीनों में दुश्मन की योजना देश की जरूरी आर्थिक कड़ियों को काटने की रही है। इसका मकसद ईरान के सम्मानित लोगों पर दबाव डालना है। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव बढ़ा है। लेकिन जनता के साथ और सरकार में उनके साथियों की ओर से उठाए गए कदमों की मदद से आर्थिक युद्ध में दुश्मन के उद्देश्यों को पूरा नहीं होने दिया गया।

अमेरिका ने ईरान पर दबाव क्यों बढ़ाया

पेजेशकियन का यह बयान अमेरिका की ओर से ईरान की अर्थव्यवस्था पर चलाए जा रहे व्यापक प्रतिबंध अभियान के बीच आया है। अमेरिका उन नेटवर्क को भी निशाना बना रहा है, जिनका इस्तेमाल ईरानी शासन और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का समर्थन करते हैं। अगस्त में अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया था। अमेरिका ने इसे ईरान और उसे मदद देने वालों के खिलाफ 'अभूतपूर्व, पूरी सरकार की आर्थिक मुहिम' बताया था। इस अभियान के शुरू होने के बाद अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बरेसेट ने कहा था कि वित्त मंत्रालय के अधिकारियों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भेजा गया। इन अधिकारियों ने अलग-अलग सरकारों से ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। इसके अलावा, रखरखाव की सेवाएं हासिल करना भी मुश्किल है। अमेरिका के ताजा कदम ईरान की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाने वाली व्यापक प्रतिबंध व्यवस्था का हिस्सा हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा, जहाजरानी, तकनीक, सोना और डिजिटल संपत्ति से जुड़े क्षेत्र भी शामिल हैं।

अमेरिका ने ईरान पर दबाव क्यों बढ़ाया

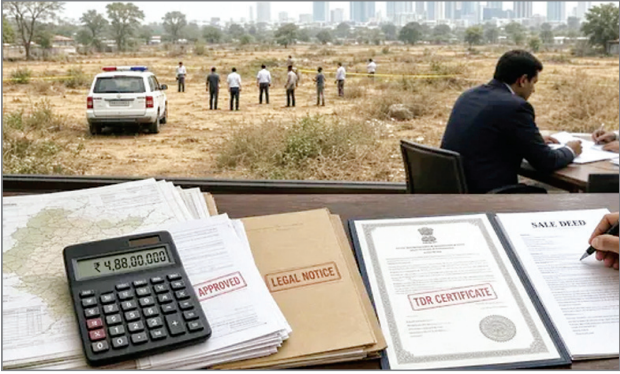
अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट का मकसद ईरानी शासन और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को बनाए रखने वाले आर्थिक रास्तों को काटना है। मंत्रालय ने कहा कि ये कदम एक तबे और व्यवस्थित अभियान का हिस्सा हैं। इसका मकसद ईरान को मदद देने वाले हर वित्तीय स्रोत को बंद करना है। अमेरिका ईरान को आतंकवाद का समर्थन करने वाला प्रमुख देश बताता है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने उन नेटवर्क, मददगारों और वित्तीय रास्तों की पहचान की है, जिनका इस्तेमाल ईरान तेल की तस्करी करने, प्रतिबंधों से बचने और आतंकवाद के लिए धन जुटाने में करता है। मंत्रालय ने कहा कि वह ईरानी शासन की अवैध कमाई के किसी भी स्रोत को निशाना बनाने में कोई नरमी नहीं बरतेगा। अमेरिका का नया दबाव ईरान के विमानन क्षेत्र तक भी पहुंच गया है। वाशिंगटन ने विदेशी कंपनियों और सेवा देने वाली कंपनियों को चेतावनी दी है। उसने कहा कि अगर वे ईरानी विमानन कंपनियों को मदद देना जारी रखते हैं, तो उन पर भी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। पिछले महीने अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने उन ईरानी विमानन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए, जिन्हें पहले निशाना नहीं बनाया गया था। इसके साथ ही ईरान के विमानन क्षेत्र को मदद देने वाली ईरान के बाहर की कंपनियों भी प्रतिबंध लगाए गए। ईरान का विमानन क्षेत्र पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण काफी पाबंदियों का सामना कर रहा है। इन प्रतिबंधों की वजह से ईरानी विमानन कंपनियों के लिए नए विमान खरीदना मुश्किल हुआ है। उन्हें विमानों के जरूरी कलपुर्जे हासिल करने में भी परेशानी होती है।

ईरान की कमाई के रास्ते रोकना चाहता है अमेरिका

अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट का मकसद ईरानी शासन और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को बनाए रखने वाले आर्थिक रास्तों को काटना है। मंत्रालय ने कहा कि ये कदम एक तबे और व्यवस्थित अभियान का हिस्सा हैं। इसका मकसद ईरान को मदद देने वाले हर वित्तीय स्रोत को बंद करना है। अमेरिका ईरान को आतंकवाद का समर्थन करने वाला प्रमुख देश बताता है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने उन नेटवर्क, मददगारों और वित्तीय रास्तों की पहचान की है, जिनका इस्तेमाल ईरान तेल की तस्करी करने, प्रतिबंधों से बचने और आतंकवाद के लिए धन जुटाने में करता है। मंत्रालय ने कहा कि वह ईरानी शासन की अवैध कमाई के किसी भी स्रोत को निशाना बनाने में कोई नरमी नहीं बरतेगा। अमेरिका का नया दबाव ईरान के विमानन क्षेत्र तक भी पहुंच गया है। वाशिंगटन ने विदेशी कंपनियों और सेवा देने वाली कंपनियों को चेतावनी दी है। उसने कहा कि अगर वे ईरानी विमानन कंपनियों को मदद देना जारी रखते हैं, तो उन पर भी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। पिछले महीने अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने उन ईरानी विमानन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए, जिन्हें पहले निशाना नहीं बनाया गया था। इसके साथ ही ईरान के विमानन क्षेत्र को मदद देने वाली ईरान के बाहर की कंपनियों भी प्रतिबंध लगाए गए। ईरान का विमानन क्षेत्र पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण काफी पाबंदियों का सामना कर रहा है। इन प्रतिबंधों की वजह से ईरानी विमानन कंपनियों के लिए नए विमान खरीदना मुश्किल हुआ है। उन्हें विमानों के जरूरी कलपुर्जे हासिल करने में भी परेशानी होती है।

4.88 करोड़ का बयाना लेकर टीडीआर आवेदन वापस लिया, जमीन भी तीसरे पक्ष को बेची; ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के खिड़की दौला गांव की अधिग्रहित जमीन के बदले मिलने वाले ट्रांसफरबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) को लेकर हुए विवाद में आर्थिक अपराध शाखा ने रमा ज़िंदल और मानव केबल्स एंड वायर्स लिमिटेड के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायतकर्ता अरुण सागर भाटिया ने आरोप लगाया है कि उनसे टीडीआर बेचने के समझौते के नाम पर करीब 4.88 करोड़ रुपये बयाना राशि के तौर पर लिए गए। बाद में आरोपितों ने टीडीआर आवेदन वापस लेने के साथ ही समझौते में शामिल जमीन का कुछ हिस्सा तीसरे पक्ष को बेच दिया। ईओडब्ल्यू ने मामले में 30 सितंबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक, रमा ज़िंदल ने भाटिया से दिल्ली के ओबराय होटल में कई बार मुलाकात कर खिड़की दौला गांव की करीब ढाई एकड़ अधिग्रहित जमीन के बदले मिलने वाले टीडीआर को बेचने की इच्छा जताई थी। दोनों पक्षों के बीच 25 अगस्त 2024 को समझौता हुआ। टीडीआर की कुल बिक्री कीमत करीब 49.33 करोड़ रुपये तय हुई थी। इसके तहत भाटिया ने करीब 4.88 करोड़ रुपये बयाना राशि के रूप में दिए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बाद उन्होंने टीडीआर हासिल करने की पूरी प्रक्रिया में दस्तावेज तैयार करने, डीटीसीपी हरियाणा के पोर्टल पर आवेदन करने, अधिकारियों से समन्वय करने और अन्य जरूरी औपचारिकताओं में समय और पैसा खर्च किया। उनकी कोशिशों के बाद 28 नवंबर



टीडीआर आवेदन वापस लेने का अनुरोध कर दिया। शिकायतकर्ता ने बाद में सार्वजनिक सूचना जारी कर जमीन और टीडीआर को लेकर अपने अधिकारों की जानकारी दी। इसके बावजूद आरोप है कि इस वर्ष 27 फरवरी को रजिस्टर्ड सेल डीड के जरिये समझौते में शामिल जमीन का एक हिस्सा गुरजीत कौर नारां और जगजीत सिंह को बेच दिया गया।

2024 को डीटीसीपी ने रमा ज़िंदल और कंपनी के पक्ष में टीडीआर के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी किया। आरोप है कि एलओआई जारी होने के बाद भी आरोपितों ने आवश्यक शर्तें पूरी करने में टालमटोल की। भाटिया ने 11 फरवरी 2025 को कानूनी नोटिस भेजकर समझौते के मुताबिक लेनदेन पूरा करने को कहा। इसके बावजूद 27 फरवरी 2025 को आरोपितों ने उनकी जानकारी के बिना डीटीसीपी में

महिला सुरक्षा और समानता को लेकर छात्राओं ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में महिला सुरक्षा और समानता को लेकर प्रदर्शन और मार्च किए जा रहे हैं।

साथ ही मार्च निकालने की भी तैयारी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण



दिल्ली के अल ग - अल ग जगहों पर महिलाएं अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन कर रही हैं। इसी क्रम में दयाल सिंह कॉलेज के बाहर शनिवार को छात्राओं ने धरना प्रदर्शन किया। दयाल सिंह कॉलेज के बाहर बैठी छात्राओं के हाथों में 'वूमन मार्च फ्राम फियर टू फ्रिडम', 'नो मोर फियर, नो मोर साइलेंस' और 'नो मीन्स नो', 'तू बोलेगी, मुंह खोलेगी तभी तो जमाना बदलेगा' और 'ऐं मूर्ख अपनी नजर सुधार' जैसे संदेश लिखे पोस्टर नजर आए। हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर छात्राओं ने महिलाओं के प्रति भय और चुपकी के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन में छात्राओं ने महिलाओं को डर के माहौल से बाहर निकालकर सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण देने की मांग की है। मार्च निकालने की नही मिली इजाजत आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शन के

कालेज के बाहर ही बैठकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। छात्राओं ने बताया कि वे आने वाले समय में अन्य कालेजों में भी महिलाओं की सुरक्षा और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाएंगी। छात्राओं ने प्रदर्शन के जरिए यह संदेश देने की कोशिश है कि महिलाएं उत्पीड़न के मामलों पर चुप नहीं रहेंगी और अपने अधिकारों व सुरक्षा को लेकर आवाज उठाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि राजधानी के इलाकों में सुरक्षा बनाए रखने, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित परिवहन और शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की जरूरत है। सुरक्षा के नाम पर महिलाओं की आवाजजाही सीमित करने के बजाय सार्वजनिक जगहों को है। मार्च निकालने की नही मिली इजाजत आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शन के

हादसे का शिकार हुई एयर एम्बुलेंस: बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान टूटा संपर्क, नैनटकेट के पास मिला मलबा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स के नैनटकेट टट के पास एक एयर एम्बुलेंस का मलबा मिला है। यह एयर एम्बुलेंस शनिवार को बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान अटलांटिक महासागर के ऊपर गायब हो गई थी। इसमें छह लोग सवार थे। यह जानकारी अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने दी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा कि इसमें चार कनाडाई और दो बरमूडा के नागरिक सवार थे। खोज जारी रहने के दौरान उनके करीबी रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक जहाज रात भर और रविवार को भी पानी में खोज जारी रखा। विमान में क्या दिक्कत थी? एयर ट्रैफिक ऑडियो से पता चलता है कि मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान में शायद बिजली से जुड़ी समस्याएं थीं। वह बिना नेविगेशन के (ब्लाइंड) आ रहा था, तभी शनिवार तड़के गायब होने से कुछ देर पहले ही सामने एक तूफान आ गया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑडियो के अनुसार, जब जेट टट के पास पहुंचा तो पायलट ने बिजली से जुड़ी समस्याओं की सूचना दी और इमरजेंसी घोषित कर दी। एक कंट्रोलर को पायलट से यह पूछते हुए सुना जा सकता है, 'रोजर, आपने कहा कि आप बिना नेविगेशन के आ रहे हैं। क्या आपने यह कहा था?' इससे मैरी शियावो, जो ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट की पूर्व



इंस्पेक्टर जनरल हैं, उनको लगता है कि हो सकता है कि विमान के नेविगेशन इंस्ट्रुमेंट तब काम करना बंद कर गए हों, जब रडार पर उसके रास्ते में एक तूफान आया। फ्लाइट ट्रैकिंग साइट प्लाइटरेडर24 के शुरुआती डेटा के अनुसार, विमान अपनी लगभग 24,000 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे आकर लगभग 10,000 फीट की ऊंचाई पर आ गया था। एविएशन अर्टोनी शियावो ने कहा, 'इस बड़ी गिरावट के साथ कुछ बुरा हुआ। वे उस बड़े तूफान में चले गए। इंस्ट्रुमेंट खराब होने और बिना नेविगेशन के उड़ान भरने के लिए यह एक बहुत ही खतरनाक जगह है। दिशा का पता न चलना बहुत आसान है और यह पता नहीं चल पाता कि आप मुड़ रहे हैं, ऊपर जा रहे हैं, नीचे आ रहे हैं, आदि। स्पेशल

ओरिएंटेशन (स्थान का सही अंदाजा) बहुत जल्दी खत्म हो जाता है।' बरमूडा एयरपोर्ट के ऑपरेंटर, स्कॉटपोर्ट के एक बयान के अनुसार, कनाडाई-रजिस्टर्ड एयर एम्बुलेंस जेट में चार कू मेंबर और दो यात्री सवार थे, जब वह मैसाचुसेट्स के लिए रात की उड़ान भरने के लिए बरमूडा के एलएफ वेड इंटरनेशनल एयरपोर्ट से खाना हुआ था। देश के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर स्टीवन मैकिनॉन ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ट्रांसपोर्ट कनाडा खोज और बचाव कार्यों पर अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा था और स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए था। कोस्ट गार्ड ने बताया कि फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जानकारी दी है कि गल्फस्ट्रीम ८100 का संपर्क शनिवार तड़के ही टूट गया था।

सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर ह्तियों का हमला, बढ़ सकती हैं तेल की कीमतें

रियाद, एजेंसी। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने शनिवार (स्थानीय समय) को सना और सादा में ह्तियों के महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले की पुष्टि की। यह कार्रवाई तब हुई जब हूती समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन से हमला करने का दावा किया। अरामको संयंत्र से उठती आग की लपटों और घने धुएं ने चिंता बढ़ा दी है। सऊदी अरब की यह बड़ी तेल कंपनी तेल सप्लाई में अहम भूमिका निभाती है। ऐसे में अगर हमले से संयंत्र को बड़ा नुकसान हुआ है, तो तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी पड़ सकता है और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, पश्चिम एशिया में पहले से ही तनाव बना हुआ है। ऐसे में अरामको पर हुआ यह हमला ऊर्जा बाजार के लिए नई चिंता खड़ी कर सकता है। इन घटनाओं से जारी संघर्ष और बढ़ गया है। दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाई का दावा करते हुए बयान जारी किए हैं। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की सशस्त्र सेनाओं के मीडिया सेंटर सेजारी एक बयान में आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि यमनी सेनाएं ह्तियों के निंत्रण वाले इलाकों पर हमले कर रही हैं। आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'हम सना और सादा में आतंकवादी हूती मिलिशिया के अहम ठिकानों पर जबरदस्त हमले कर रहे हैं'। प्रवक्ता ने आगे चेतावनी दी कि हूती की सैन्य क्षमताओं पर हमले जारी रहेंगे। प्रवक्ता ने कहा, 'हूती मिलिशिया की क्षमताएं हमारी सेना के हमलों से सुरक्षित नहीं रहेंगी और हम उन्हें नष्ट कर देंगे।' यह बयान तब आया जब हूती समूह ने कहा कि उसने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके रियाद में अरामको को निशाना बनाते हुए एक सैन्य अभियान चलाया है।



संक्षिप्त

समाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना

‘बहुत यथार्थवादी’ लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्ववाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर हैं। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्ववाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की – मलेशियाई खिलाड़ी सिसवांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जाती तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजेलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, ‘मैं निश्चित रूप से काफी निराश थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इतने करीब पहुंच जाते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूँ तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।’

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी उर्स को आईजीयू देगा 10 लाख रुपये

गोल्फ टीम की सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अदिति अशोक और दीक्षा डगार को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10

लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रणवी के अलावा भारतीय टीम में अदिति अशोक और दीक्षा डगार शामिल थीं। आईजीयू अध्यक्ष बुजिंदर सिंह ने कहा, ‘2026 एशियाई खेलों में शानदार स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रणवी को हार्दिक बधाई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।’

एशियन गेम्स 2026 का समापन

भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान



आइची नागोया (एजेंसी)। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो गया है। निशानेबाज नीरू धांडा दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ भारत की महिला ध्वजवाहक बनकर समारोह में पहुंची। भारत ने पुरुष हॉकी में स्वर्ण के साथ अभियान खत्म किया और 21 स्वर्ण समेत कुल 85 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू धांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंची। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।



● पिछली बार की तुलना में कम आए पदक – भारत का कुल पदक आंकड़ा पिछले संस्करण की तुलना में 21 कम हो गया, जबकि हांगझू 2022 खेलों की तुलना में स्वर्ण पदक की संख्या सात कम रही। भारत ने हांगझू में कुल 106 पदक जीते थे और पहली बार 100 पदक के आंकड़े को पार किया था। आइची-नागोया अभियान एक मिला-जुला सफर रहा, जहां कुछ उम्मीद के मुताबिक आए परिणामों की जगह निराशाओं ने ले ली, लेकिन अंत में एक मजबूत फिनिश ने पूरे अभियान का रंग-रूप बदल दिया।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू धांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी।

आखिरी दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

4 गोल्ड ज्यादा जीते, हॉकी का ओलिंपिक टिकट मिला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल – भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।



बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के चांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है।

हार्दिक पंड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मार्च में आखिरी इंटरनरनेशनल मैच खेला था; उनकी जगह सूर्याश शेडगे को मौका

नईदिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11



अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्याश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्याश ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता

● जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया; स्मरण का शतक, मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए

नईदिल्ली (एजेंसी)। रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए – दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका।



350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत, राहुल का शानदार शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। भारत-वेस्टइंडीज तीसरे वनडे के टॉप रिकॉर्ड्स बने। ● **भारत 350+ रन भी डिफेंड नहीं कर सकी** – भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था।



● **सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित** – रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की। रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे। ● **रोहित 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए** – रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।

● **भारत ने 7.43 के रनरेट से बल्लेबाजी की** – भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी। ● **भारत ने 45वीं बार 350+ रन बनाया** – भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है। ● **भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए** – भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे। भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।